

विपिन पुं. (तत्.) 1. वन, जंगल 2. उपवन, वाटिका।

विपिनचर वि. (तत्.) वनचर, जंगली मनुष्य, पशु।

विपिनतिलका स्त्री. (तत्.) काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में नगण, सगण, नगण तथा 2. रगण, (न स न र र) के योग से 15 वर्ण होते हैं।

विपिनपति पुं. (तत्.) मृगराज, सिंह, वनराज।

विपिनविहारी वि. (तत्.) वन में विहार करने वाला पुं. कृष्ण।

विपुत्र वि. (तत्.) जिसका कोई पुत्र न हो, पुत्रहीन, बाँझ।

विपुत्री वि. (तत्.) जिसके कोई पुत्री न हो।

विपुल वि. (तत्.) 1. संख्या या परिमाण में बहुत अधिकता 2. विशाल, विस्तृत, बड़ा 3. अगाध, बहुत गहरा पुं. 1. मेरु पर्वत 2. हिमालय।

विपुलग्रीवा वि. (तत्.) लंबी गर्दन वाला।

विपुलच्छाया वि. (तत्.) घनी छाया वाला।

विपुलता स्त्री. (तत्.) 1. विपुल होने की अवस्था, भाव 2. अधिकता, विशालता, आगाधता।

विपुलमति वि. (तत्.) 1. मनीषी 2. अति बुद्धिमान।

विपुलहृदय पुं. (तत्.) 1. विशाल हृदय 2. उदारमना 3. बड़े मन वाला।

विपुला स्त्री. (तत्.) वसुंधरा, पृथ्वी (छंद) एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः भगण, रगण और 2 लघु (भ र और श लघु) के योग से 8 वर्ण होते हैं।

विपुलाई स्त्री. (देश.) विपुलता।

विपुष्प पुं. (तत्.) जिसमें फूल न हों, पुष्पहीन।

विपोहना स.क्रि. (देश.) 1. लीपना 2 पोतना 3. नाश करना, मिटाना 4. पोहना, छेदना।

विप्र पुं. (तत्.) 1. ब्राह्मण 2. मेधावी व्यक्ति, बुद्धिमान व्यक्ति 3. पीपल का वृक्ष 4. भाद्रपद।

विप्रकर्ष पुं. (तत्.) 1. दूर खींच ले जाना 2. दूरी, फासला।

विप्रकर्षण पुं. (तत्.) 1. दूर खींच ले जाना, विप्रकर्ष 2. दूर हटाना 3. किसी कृत्य का अंत।

विप्रकीर्ण वि. (तत्.) 1. इधर-उधर बिखरा हुआ, छितरा हुआ 2. अस्त व्यस्त, अव्यवस्थित।

विप्रचरण पुं. (तत्.) भृगु ऋषि की लात का चिह्न जो विष्णु के हृदय पर माना जाता है।

विप्रचित्ति पुं. (तत्.) एक दानव जिसकी पत्नी सिंहिका के गर्भ से राहु पैदा हुआ था।

विप्रता स्त्री. (तत्.) ब्राह्मणत्व, विप्रत्व।

विप्रतिपत्तित स्त्री. (तत्.) 1. वैचारिक मतभेद (विरोध) 2. (किसी बात को लेकर की गई) आपत्ति, एतराज 3. विकलता, परेशानी 4. पारस्परिक संबंध।

विप्रतिपन्न वि. (तत्.) 1. वैचारिक विरोध से युक्त, परस्पर विरुद्ध 2. व्याकुल, परेशान 3. विवादग्रस्त।

विप्रतिषिद्ध वि. (तत्.) 1. निषिद्ध 2. विरुद्ध 3. वर्जित उलटा।

विप्रतिषेध पुं. (तत्.) 1. निषेध, वर्जन 2. दो बातों का परस्पर विरोध 3. नियंत्रण 4. व्या. दो भिन्न नियमों का एक साथ प्रयुक्त होने की कठिन स्थिति 5. हितों का टकराव।

विप्रत्व पुं. (तत्.) ब्राह्मणत्व, विप्रता।

विप्रपद पुं. (तत्.) दे. विप्रचरण।

विप्रबंधु पुं. (तत्.) वह ब्राह्मण जो ब्राह्मण के कर्तव्यों का पालन न करता हो, अधम ब्राह्मण।

विप्रयुक्त वि. (तत्.) 1. अलग किया हुआ 2. जो मिला न हो 3. बिछुड़ा हुआ 4. छोड़ा हुआ, मुक्त किया हुआ 5. रहित किया हुआ।

विप्रयोग पुं. (तत्.) 1. पृथक्ता, अलगाव 2. वियोग, विरह, विछोह 3. विच्छेद 4. किसी वस्तु आदि से रहितता 5. विवाद, कलह 6. शृंगार रस